

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI MALLIKARJUN KHARGE): Sir, yesterday only we raised this issue, and it is a very important issue ... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Sir, what is the point that you are making? Do you want to discuss it? ... *(Interruptions)*...

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: \* ... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record. ... *(Interruptions)*... I will not allow the House to be used as such a platform. ... *(Interruptions)*... Sorry. ... *(Interruptions)*... You avail the rules. ... *(Interruptions)*... Now, Shri Kartikeya Sharma. Demand to Establish Defence Maintenance, Repair and Overhaul Hub in Ambala. ... *(Interruptions)*... Nothing else will go on record. ... *(Interruptions)*...

*(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)*

One minute. ... *(Interruptions)*... Mr. Derek O'Brien, you are shouting at the Chair. Your conduct is the ugliest in the House. You are shouting at the Chair. ... *(Interruptions)*... I condemn your action. Next time I will show you the door. How dare you shout at the Chair? And senior leaders are not taking note of it. This is an unbecoming conduct. I will not countenance it.

#### OBSERVATION BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, we have seen the ugliest of scene. We saw a dark phase of our democracy during Emergency. We know how it starts. It starts first with a challenge to the parliamentary institution, and that challenge was there in June, 1975, and now, a serious challenge here. I am sure we have distinguished Members here. Can anyone countenance this kind of conduct? They think they are law unto themselves. They think they are all wise. They think they are the only ones whose heart is bleeding. The entire nation is in pain because of our girl. The entire nation is feeling the pain, right from the President to the Prime Minister to myself and many more. Everyone is sharing the situation. But to monetize it, to politicise it, is the greatest disrespect to that girl. That girl has a long way to go. I was so happy that the

---

\* Not recorded.

State of Haryana immediately announced, 'we will give her all commendations, all financial relief that is due to a medal winner'. There is a State Government that has recognized her as a medal winner, which will give all assistance given to a medal winner. And here, I would urge you all with folded hands -- many of you are very senior to me, in this House -- let us have bipartisan approach on certain issues, issues like this. On political issues, debate permits your point of view to be projected; yesterday, it was done. And let me tell you, hon. Members, when the Leader of the Opposition raised his hand yesterday, I had to take note of it. The Leader of the House and the Leader of the Opposition are very, very significant. I sent a message to him asking what is the issue he is seeking to raise. And the response which I got in writing was, which will be laid on the Table of the House today, "I want to raise an issue of urgent public importance". Do I make anything out of it? Do I know the subject of it? Do I know the urgency of it? In the process, the Leader of the Opposition has the idea of the Chair, that the Chair is a rubber stamp or just a post office, who gets a communication and gives the floor. When I give the floor to someone here, that is watched by more than 1.4 billion people. It is embedded in the history. I do not know how I will be able to respond to my conscience. Individually, all the Members are very talented. You walked out and you came. In the process, you hurt more than a billion people. In the process, you set aflame democratic traditions. By walking out, you insult the Chair. Did you see yourself how Shri Derek O'Brien, the floor Leader of the TMC, shouted at the Chairman? ...*(Interruptions)*... Is this the way? I am so sorry. Yes, Shri Kartikeya Sharma.

**SHRI KARTIKEYA SHARMA (HARYANA):** Sir, I come from Haryana and I would like to resonate with the sense of the House about what you have just said. We, all Members of this House, are standing with our brave girl.

**MR. CHAIRMAN:** The Leader of the House, on the contemporary scenario.

**सभा के नेता (श्री जगत प्रकाश नड्डा):** सभापति महोदय, जिस तरीके से अभी विपक्ष ने व्यवहार किया है, जिससे आपको भी तकलीफ पहुंचाई और संवैधानिक दृष्टि से जो संसदीय मर्यादाएं हैं, उनका उल्लंघन हुआ है, यह सच में निंदनीय है। It is condemnable. प्रजातंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन प्रजातंत्र एक व्यवस्था में चलता है और जब व्यवस्थाएं अपनी मर्यादाएं लांघ जाती हैं, तो प्रजातंत्र पर बहुत बड़ा आघात होता है। मैंने कल भी कहा था और आज भी कहता हूं कि लीडिंग अपोजिशन पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस और एक संख्या के रूप में टीएमसी भी यहां विपक्ष के रूप में विराजमान हैं, जिस तरीके से उनका व्यवहार चेयर के प्रति रहा है, वह condemnable है और जो लोग लंबे समय से संसदीय प्रणाली में कार्य करते रहे हैं, उनके

लिए यह एक आत्मचिंतन का प्रश्न है, जो उन्हें करना चाहिए। जहां तक विनेश फोगाट का सवाल है, यह कोई पक्ष और विपक्ष का सवाल नहीं है, यह देश का सवाल है और सारा देश उनके साथ खड़ा है। यह भारतीय खेल को आगे बढ़ाने का विषय है, जिसके साथ सब लोग भावनात्मक तरीके से जुड़े हुए हैं और भावनाओं के साथ विनेश के साथ खड़े हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि कल प्रधान मंत्री जी ने 'Champion of Champions' कहा और साथ में प्रधान मंत्री जी ने यह भी कहा कि सारा देश उनके साथ खड़ा है। मुझे लगता है और मुझे ही नहीं, बल्कि सारे देश को लगता है कि यह आवाज प्रधान मंत्री जी की आवाज 140 करोड़ देशवासियों की आवाज है। दुर्भाग्य इस बात का है कि इसको भी हम पक्ष और विपक्ष में बांटने का प्रयास कर रहे हैं। मुझे लगता है कि शायद विपक्ष विषयविहीन हो चुका है, मुद्दाविहीन हो चुका है। The Opposition does not have any solid issue which they want to discuss and for which the Ruling Party is ready for discussion on all the forums, including the Rajya Sabha. सारा देश विनेश के साथ खड़ा है और जो भी प्लेटफॉर्म्स थे और हैं, उन सब पर भारत की सरकार, खेल मंत्रालय और ऑलम्पिक एसोसिएशन के हमारे नुमाइंदों ने redressal का प्रयास किया है, इस बात का मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं। इसलिए भावनाओं पर कंट्रोल करना, भावनाओं को सीमित रखना और अपने विवेक से काम करना, यह इस समय की आवश्यकता है। मैं आशा करता हूं कि विपक्ष अपनी भूमिका को इस दृष्टि से देखेगा। जिस तरीके से चेयर को आधात पहुंचा है, यह सच में निंदनीय है, ऐसा मैं कहना चाहूंगा।

SHRI MOHAMMED NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir,...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Will you take your seat? मैं बोल रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... मैं बोल रहा हूं, take your seat. बैठिए, एक बार...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)... बैठिए, अभी मैं बोलने जा रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण, इस पवित्र सदन को अराजकता केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना, अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतिपूर्ण वातावरण बनाना, यह मर्यादित आचरण नहीं है। यह हर सीमा को लाँघने वाला आचरण है। यह सदन इस समय देश की रूलिंग पार्टी के अध्यक्ष को यहाँ सदन के नेता के रूप में देख रहा है। यह सदन इस समय प्रतिपक्ष दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भी उपस्थितियाँ देख रहा है, प्रतिपक्ष के नेता के रूप में। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्या हैं। जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं और जिस तरीके से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा, अखबार के माध्यम के द्वारा, एक प्रमुख अखबार, मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं, कितनी गलत टिप्पणी की है, मैंने देखा है। यह चुनौती मुझे नहीं दी जा रही है, यह चुनौती सभापति के पद को दी जा रही है और यह चुनौती, प्लीज़, यह चुनौती इसलिए दी जा रही है कि जो व्यक्ति इस पद पर बैठा है, वह इसके लायक नहीं है, ऐसा ये सोचते हैं। मुझे हाउस का समर्थन जितना चाहिए, उतना नहीं मिला है। मैंने प्रयास में कोई कमी नहीं की है। Don't laugh at it, Mr. Jairam. ...(*Interruptions*)... No, सुनिए। ...(**व्यवधान**)... Don't make an issue of it. ...(*Interruptions*)... Please don't make an issue of it. ...(*Interruptions*)... सुनिए, प्लीज़। माननीय सदस्यगण, ...(**व्यवधान**)... I know your habit. ...(*Interruptions*)...

माननीय सदस्यगण, अब मेरे पास एक ही विकल्प है। सदन में बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं, अब भी उपस्थित हैं, मैं उनका सम्मान करता हूँ। उन्होंने राजनीति मुझसे बहुत ज्यादा देखी है। दुखी मन से, मैं मेरी शपथ से दूर नहीं भाग रहा हूँ, पर जो आज मैंने देखा है, जिस तरीके का व्यवहार सदस्य ने किया है, शारीरिक रूप से किया है, जिस तरीके का व्यवहार इधर से भी हुआ है, मैं कुछ समय के लिए यहाँ बैठने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहा हूँ। मैं दुखी मन से जा रहा हूँ। नमस्कार।

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...*(Interruptions)*... No point of order. ...*(Interruptions)*... Mr. Abdul Wahab, please. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Kartikeya Sharma. ...*(Interruptions)*... Nothing else is going on record. ...*(Interruptions)*...

---

#### MATTERS RAISED WITH PERMISSION-(*Contd.*)

##### Demand to establish Defence Maintenance, Repair, and Overhaul (MRO) Hub in Ambala

SHRI KARTIKEYA SHARMA (HARYANA): Sir, this is a request for establishing Defence, Maintenance, Repair and Overhaul Hub in Ambala. आज अंबाला और उसके आसपास के लोगों की लंबे समय से एक पैंडिंग माँग को लेकर मैं हाजिर हुआ हूँ। ...*(व्यवधान)*... महोदय, पिछले कई वर्षों से अंबाला की जनता, वहाँ के युवा, वहाँ के व्यापारी, ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति:** माननीय सदस्य, आप बड़े वरिष्ठ हैं। यह ज़ीरो ऑवर है, यदि ज़ीरो ऑवर के सब्जेक्ट पर point of order हो, तो मैं सुन सकता हूँ, बाकी कोई और नहीं। प्लीज़, आप बोलें।

**श्री कार्तिकेय शर्मा:** महोदय, पिछले कई वर्षों से अंबाला की जनता, वहाँ के युवा, वहाँ के व्यापारी, कई विभिन्न संघों की यह डिमांड रही है कि अंबाला को एक विकसित औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। बुनियादी ढाँचे की कमी, कमजोर पब्लिक सर्विसेज और सीमित आर्थिक अवसरों के कारण अंबाला ने विकास की कोई गति नहीं पकड़ी है। अंबाला का अपना एक महत्व है कि यह एक ऐतिहासिक शहर है। 1857 से लेकर Quit India Movement तक अंबाला का एक बहुत ही महत्वपूर्ण रोल रहा है। पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी विकास हुआ है, लेकिन रेल, रोड, एयर कनेक्टिविटी, ऐसी चीजों के ऊपर काफी ध्यान केंद्रित रहा है। अब समय आ गया है कि इस क्षेत्र का औद्योगिक विकास भी हो। इसके लिए मैं एक डिमांड रखना चाहता हूँ। मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए, अम्बाला में एक Defence Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) Hub की स्थापना के लिए सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ।